उन्नत कृषि औजारों एवं यंत्रों पर व्यवहारिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

पटना , 24 दिसम्बर 2016

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना में ''उन्नत कृषि औजारों एवं यंत्रों पर व्यवहारिक तीन दिवसीय प्रशिक्षण'' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरूआत 22 दिसम्बर, 2016 को हुई।

इस कार्यक्रम के समापन श्री राधा मोहन सिंह, माननीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार के कर कमलो द्वारा किया गया।

समारोह के दौरान माननीय मंत्री ने बताया कि पटना के इस संस्थान में दिनांक 28 जून, 2016 को फार्म मशीनरी संसाधन केन्द्र की स्थापना की गई थी जिसका उद्देश्य है कि कृषको को उन्नत कृषि यंत्र उपलब्ध कराने के साथ–साथ उनके निर्माण, रखरखाव एवं मरम्मत के बारे में प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके। पूर्वी क्षेत्र में ये एक अनूठी पहल थी और उसका फल ये है कि आज करीब 100 किसान इस केन्द्र के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त किये हैं। किसान भाई प्राप्त ज्ञान को रोजगारोन्मुखी बना सकते हैं और अपने क्षेत्र में कृषि यंत्र के मरम्मत एवं रखरखाव के क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध करा सकते हैं।

यह देखा गया है कि हमारे अनुसंधान एवं विकास संगठनों द्वारा विकसित आवश्यकता पर आधारित मशीनें तथा प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियां कृषि मशीनरी निर्माताओं के साथ समन्वय की कमी के कारण किसानों तक समय पर नहीं पहुँच पाती हैं। अतः इन प्रौद्योगिकियों को देश के किसानों को उपलब्ध करवाने का दायित्व निर्माताओं और अनुसंधान एवं विकास संस्थानों का है। वर्तमान में गतिविधियों के उचित समन्वयन हेतु अकादमिक एवं कृषि औद्योगिक क्षेत्र को संयुक्त रूप से रणनीतियां बनाने की आवश्कता है।

उन्होंने यह भी बताया कि 2014–15 के दौरान भारत सरकार ने 126 कस्टम हायरिंग केंद्रों को स्थापित करने के लिए 9.01 करोड़ रूपये दिए हैं। पिछले वर्षों की शेष राशि खर्च न किए जाने के कारण प्रभाग इस स्थिति में नहीं है कि 2015–16 के दौरान बिहार सरकार को और अधिक निधियां दी जाएँ। बिहार सरकार के पास 2014–15 के निमित्त 1.25 करोड़ रूपये की राशि अब भी बिना खर्च के पड़ी हुई है। 2016–17 के दौरान भारत सरकार ने 40 कस्टम हायरिंग केंद्रों, 2 हाईटेक केंद्रों और ग्राम स्तर पर 229 फार्म मशीनरी बैंकों को स्थापित करने के लिए 14.00 करोड़ रूपये जारी किए हैं। वर्ष 2016–17 के दौरान ग्राम स्तर पर भारत सरकार ने 40 कस्टम हायरिंग केंद्रों, 2 हाईटेक हब और 229 फार्म मशीनरी की स्थापना के लिए 14.00 करोड़ रूपये निर्मुक्त किए हैं। एसएमएएम के तहत वर्ष 2016–17 के दौरान राज्य सरकार से ट्रैक्टरों के वितरण के लिए कोई प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया गया है जिसके कारण बिहार के किसानों को इस योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

समापन समारोह के दौरान संस्थान के निदेशक डॉ० बी.पी. भट्ट ने बताया कि जल्द ही कृषि विज्ञान केन्द्र, बक्सर में कृषि उपकरणों की उपलब्धता हेतु कस्टम हाइरिंग सेन्टर की स्थापना का प्रस्ताव है जिसमें किसान भाईयों को सही मूल्य पर भाड़े पर कृषि यंत्रों की

उपलब्धता सुनिश्चित की जायेगी। जिससे छोटे किसानों को कृषि कार्यों को समय से पूरा करने में सहायता मिलेगी। जिससे पैदावार के साथ–साथ मानव श्रम एवं उर्जा की भी बचत होगी और आने वाले दिनों में इस तरह के कई केन्द्रों का विस्तार किया जायेगा।

तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान फार्म मशीनीरी के विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा कृषि में इस्मेमाल होने वाले विभिन्न यंत्रों और औजारों जैसे ट्रैक्टर, शुन्य जुताई मशीन, विडर, पावर विडर, रीपर इत्यादि उपकरणों के उपयोग एवं रख–रखाव की व्यवहारिक जानकारी दी गई। इसमें पटना एवं पूर्वी चंपारण जिले के 06 प्रगतिशील कृषकों को माननीय मंत्री जी के द्वारा सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में पटना एवं पूर्वी चंपारण जिले के 87 कृषकों ने भाग लिया।

धन्यवाद ज्ञापन डॉ० बिकाश सरकार, प्रधान अन्वेषक सी.आर.पी.–फार्म यांत्रिकीकरण एवं वरीय वैज्ञानिक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का अनुसंधान परिसर, पटना द्वारा किया गया।

(स्रोतः भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना)